भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2445

सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021/22 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध सांस्कृतिक केन्द्रों की पहचान

+2445. सुश्री देबाश्री चौधरी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में कितने बौद्ध सांस्कृतिक केंद्रों की पहचान की गई है;

(ख) उन्हें आपस में जोड़ने और बौद्ध सर्किट बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) बौद्ध देशों में बौद्ध स्थलों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या मंत्रालय बौद्ध देशों से जुड़ने के लिए बौद्ध देशों और अन्य स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए बौद्ध सांस्कृतिक उत्पादों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने की योजना बना रहा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक पर राष्ट्रीय मिशन, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत देश में बौद्ध तीर्थ स्थलों के विकास के लिए निम्न विवरण के अनुसार परियोजनाओं को मंजूरी दी है:-

1. स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए एक विषय के रूप में 'बौद्ध परिपथ की पहचान की गई है। इस योजना के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है:-

- 74.02 करोड़ रुपए की राशि से मध्यप्रदेश में सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास।
- उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का 99.97 करोड़ रुपए की राशि से विकास।
- बिहार के बोधगया में 98.73 करोड़ रुपए की राशि से कन्वेंशन सेंटर का निर्माण।
- 28.67 करोड़ रुपए की राशि से गुजरात में जूनागढ़-गिर सोमनाथ-भरूच-कच्छ-भावनगर-राजकोट-मेहसाणा का विकास।

- आंध्र प्रदेश में 24.14 करोड़ रुपए की राशि से शालिहुंडम-थोटलाकोंडा-बाविकोंडा-बोज्जानकोंडा- अमरावती-अनुपुइन का विकास।

2. प्रसाद योजना के तहत, वर्ष 2020-21 में 33.32 करोड़ रुपए की राशि से 'युकसोम, सिक्किम में चार संरक्षक संतों पर तीर्थयात्रा सुविधा का विकास' परियोजना को मंजूरी दी गई थी। उपरोक्त के अलावा, प्रसाद योजना के तहत निम्नलिखित दो परियोजनाओं में बौद्ध धर्म से संबंधित कार्य किए गए हैं:

(i) वाराणसी का एकीकृत विकास-I अन्य बातों के साथ-साथ बौद्ध धर्म संरचनाओं के विकास के लिए 9.5 करोड़ रुपए मूल्य के निम्नलिखित दो घटक शामिल हैं:-

क) 734 लाख रुपये की लागत से, धमेक स्तूप पर ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन।

ख) 220 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से बुद्ध थीम पार्क, सारनाथ का विकास।

(ii) अन्य बातों के साथ-साथ केवल बौद्ध धर्म से संबंधित निम्नलिखित घटकों सहित 1.33 करोड़ रुपए की लागत से, गुंटूर जिले में अमरावती शहर का एक पर्यटन स्थल के रूप में विकास:-

(क) 62.25 लाख रुपये की अनुमोदित लागत पर महाचैत्य स्तूप और एएसआई संग्रहालय।

(ख) 70.44 लाख रुपए की अनुमोदित लागत पर बुद्ध ध्यान स्थल का विकास।

भारत के "बोधगया पर विशेष ध्यान देने के साथ बौद्ध संस्कृति और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में पुनरुद्धार के लिए एक समन्वित रणनीति" विकसित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। कार्य योजना में 4 कार्यक्षेत्रों के तहत हस्तक्षेप शामिल हैं: i) कनेक्टिविटी; ii) आधारभूत संरचना इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स तंत्र iii) संस्कृति, विरासत और शिक्षा अनुसंधान और iv) कार्य योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सार्वजनिक जागरूकता, संचार और आउटरीच और पर्यटन मंत्रालय को नोडल मंत्रालय बनाया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन से संबंधित अवसंरचना के विकास के अलावा, भारत और विदेशी बाजारों में विभिन्न बौद्ध स्थलों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। उपरोक्त के हिस्से के रूप में, विदेशी बाजारों में भारत पर्यटन कार्यालय नियमित रूप से कई यात्रा और पर्यटन मेलों के साथ-साथ प्रदर्शनियों में भाग लेते हैं जिनमें भारत के बौद्ध स्थलों को बढ़ावा दिया जाता है।

अत्यधिक बौद्ध आबादी वाले देशों सहित विदेशी बाजारों में बौद्ध स्थलों के प्रचार और विपणन के लिए किए गए प्रयास इस प्रकार हैं:-

- पर्यटन मंत्रालय ने भारत में बौद्ध स्थलों को बढ़ावा देने के लिए फिल्मों का निर्माण किया है।

- अतुल्य भारत 2.0 अभियान के हिस्से के रूप में बौद्ध स्थल क्रिएटिव का उपयोग किया जा रहा है।
- पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध स्रोत बाजारों में टीवी, प्रिंट और डिजिटल मीडिया अभियान जारी किए हैं।
- पर्यटन मंत्रालय विभिन्न स्रोत बाजारों से टूर ऑपरेटरों, मीडिया, राय निर्माताओं और बौद्ध भिक्षुओं की भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन (आईबीसी) का आयोजन करता है।
- विदेशी बाजारों में भारतपर्यटन कार्यालय नियमित रूप से कई यात्रा और पर्यटन मेलों / प्रदर्शनियों/ कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिसमें भारत के बौद्ध स्थलों को बड़ी संख्या में आगंतुकों के बीच प्रचारित किया जाता है।
- आसियान देशों में रोड शो आयोजित किए गए जिनमें भारत की बौद्ध विरासत पर प्रकाश डाला गया।
- पर्यटन मंत्रालय पर्यटन मंत्रालय की अतुल्य भारत वेबसाइट पर बौद्ध स्थलों को बढ़ावा देता है।
- पर्यटन मंत्रालय ने भारत में समृद्ध बौद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए www.indiathelandofbuddha.in वेबसाइट विकसित की है।
- पर्यटन मंत्रालय ने आईआरसीटीसी के सहयोग से बोधगया और वाराणसी में 4 से 8 अक्टूबर 2021 तक एक बौद्ध परिपथ परिचय टूअर और सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिसमें देश के अन्य हिस्सों के टूर ऑपरेटर, स्थानीय टूर ऑपरेटर और पर्यटन क्षेत्र के मीडिया के अन्य हितधारक, पर्यटन मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय ने नालंदा विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्व विद्यालय (बीएचयू) के छात्रों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया।
- माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 20 अक्टूबर 2021 को कुशीनगर हवाई अड्डे के उद्घाटन के अवसर पर, पर्यटन मंत्रालय ने कुशीनगर में 'बौद्ध सर्किट में पर्यटन - आगे की राह' पर एक दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें दुनिया भर के बौद्ध तीर्थयात्रियों और विद्वानों को आकर्षित करने की क्षमता बौद्ध सर्किट और इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया।

****